150

NEERAJ MANDLOI

Page No. 03

Neeraj Mandloi

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 20 अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर ... अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) ...

09/02/2021

प्रश्न 3220-60

प्रश्न (1.1) भाषा और बोली में क्या अंतर है ?

उत्तर: परसर्ग :- अर्थात् कारक का अर्थ है कर्ता व क्रिया में परस्पर संबंध बताना।

विभक्ति :-

प्रश्न (1.2)

उत्तर: पर्यायवाची शब्द 3 प्रकार के होते हैं।

1. पूर्ण (जिनका अर्थ समय या स्थिति से परिवर्तित नहीं होता उदा० कमल - पंकज, जलज आदि)

2. पूर्णापूर्ण (स्थिति के अनुसार परिवर्तित उदा० लटकाना - टाँगना)

3. अपूर्ण (पर्यायवाची होने पर भी अलग-2 अर्थ देते हैं।)

2

प्रश्न (1.3)

उत्तर: वे पत्र जो कार्यालयी प्रयोजनों से, निश्चित ढाँचे में एक कार्यालय से अन्य कार्यालय या पद को विनिमयित होते हैं, औपचारिक पत्र कहलाते हैं।

महत्व: वैधिक दस्तावेज, कार्यवाही के आधार विशेषता: अन्य... शैली

2

प्रश्न (1.4)

उत्तर: करण :- कारक 'से' का प्रयोग क्रिया का संबंध बताता है। उदा० मैं पेन से लिखता हूँ।

अपादान :- कारक 'से' का प्रयोग पृथकता से जुड़ा होता है। उदा० पेड़ से फल गिरा।

3

प्रश्न (1.5)

उत्तर: दो पदों को जोड़ने से जो नया शब्द बनता है उसे समास कहते हैं।

उदा० यथा + शक्ति = यथाशक्ति — समास बताओ

प्रकार: अव्ययीभाव, बहुव्रीहि, द्विगु, द्वंद, तत्पुरुष, कर्मधारय

विग्रह करो

1½

प्रश्न 1: ... अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न ...

प्रश्न (1.6)

उत्तर: किसी मूल शब्द के पहले जुड़कर जो अक्षर या शब्द, मूल शब्द को विशेष अर्थ या विपरीत अर्थ प्रदान करते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।
उदा० अ + समर्थ = असमर्थ, सु + स्वागत = सुस्वागत

2

प्रश्न (1.7)

उत्तर:

आधार	संधि	समास
1. परिभाषा	दो अक्षरों का योग	दो पदों का योग
2. विकार	विकार उत्पन्न होता है	विकार उत्पन्न नहीं होता
3. उदाहरण	देव + इंद्र = देवेंद्र	यथा + शक्ति = यथाशक्ति

पूरी करें
जैसे → दो अक्षरों का योग संधि कहलाता है।

1½

प्रश्न (1.8)

उत्तर 1. कूट वाक्य, उक्ति आदि को सरल अर्थ प्रदान करता है
2. उदाहरणों का उपयोग
3. मौलिकता, व्यापकता एवं स्पष्टता

2

प्रश्न (1.9)

उत्तर: किसी पत्र-प्रतिपत्र के प्रेषण के पूर्व जो निश्चित कच्चा मसौदा तैयार किया जाता प्रारूप लेखन कहलाता है।
महत्व: एक रूपता प्रदान करना
विशेषता: निश्चित संरचना; उदा०. आदेश, परिपत्र आदि

3

प्रश्न (1.10)

उत्तर: वे स्वर, जो अनुनासिक उच्चारण प्रदान करें अनुस्वार कहलाते हैं।
उदाहरण अं, अः

1

परिभाषा पूरी करें

प्रश्नोत्तर पुस्तिका [illegible]

[illegible] प्रश्न में 20 अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम [illegible] प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 3x20=60

पू/M - 03

प्रश्न (1.11)

उत्तर: वे ध्वनि आधार जो गले / कंठ से उद्घोषित होती हैं कंठ्य ध्वनियाँ कहलाती हैं।
उदा० क, ख, ग, घ, आदि

½ पांच आधार पूरे बताये आदि का उपयोग नहीं करना

पू/M - 03

प्रश्न (1.12)

1/2 हलो।

उत्तर: जब एक सूचना उच्च कार्यालय से अन्य विभागों अथवा कार्यालयों को एक साथ भेजनी हो।
महत्व: सूचना में एकरूपता, त्रुटिहीन प्रेषण
विशेषता:- अन्यपुरुष शैली, उच्च पद से निम्न की ओर

3

पू/M - 03

प्रश्न (1.13)

उत्तर: 11 वाँ हिन्दी सम्मेलन
स्थान:- पोर्ट लुईस, मॉरीशस
अध्यक्ष:- मॉरीशस के राष्ट्रपति जगन्नाथ जी
दिनांक:-

2 ~~[illegible]~~ स्वराज (भारत क
सुषमा

पू/M - 03

प्रश्न (1.14)

उत्तर: कौरवी बोली 'पश्चिमी हिन्दी' उपवर्ग में आती है।

शौरसेनी → पश्चिमी हिन्दी → कौरवी (खड़ी बोली)
क्षेत्र:- दिल्ली, कुरुक्षेत्र, मेरठ आदि

3

पू/M - 03

प्रश्न (1.15)

उत्तर: वीरगाथा काल, हिन्दी के पहले काल (1000-1300 ई.) का सर्वाधिक उपयुक्त नाम है।
कृतियां: पृथ्वीराज रासो, पदावली आदि
अन्य नाम:- आदिकाल, रासकाल, रासोकाल आदि।

3

प्रश्नोत्तर पुस्तिका ...

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 20 अतिलघुत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिक ... प्रत्येक प्रश्न का (तीन) अंकों का है। 3x20=60

प्रश्न (1.16)

उत्तर: जो ध्वनियाँ तालु से उच्चारित होती हैं, तालव्य ध्वनियाँ कहलाती हैं।
उदाहरण: ~~ट, ठ, ढ, ड~~ च, छ, ज, झ

च, छ, ज,

यहां आंसर लाईन नहीं लो

1

पू/M - 03

प्रश्न (1.17)

उत्तर: यण संधि :- जब प्रथम शब्द अंतिम अक्षर ~~ए, ए, ओ, औ~~ इ ई, उ ऊ, ऋ के बाद अन्य स्वर आये तो क्रमशः ~~अय, आव~~ य्, व्, तथा र् क्रम उनका स्थान लेते हैं।
उदा० सु + आगत = स्वागत, इति + आदि = इत्यादि

3

पू/M - 03

प्रश्न (1.18)

उत्तर: जो शब्द, मूल शब्द के आगे उपयोग हो, मूल शब्द को विपरीत या विशिष्ट अर्थ प्रदान करे उपसर्ग कहलाते हैं।
उदा० कु + रूप = कुरूप, सु + सुंदर = सुसुंदर

2½

पू/M - 03

प्रश्न (1.19)

उत्तर: सरहपा : राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार हिन्दी के पहले कवि हैं।
यद्यपि चंद्रबरदाई को भी कई विद्वानो द्वारा प्रथम कवि माना गया है।

2

पू/M - 03

प्रश्न (1.20)

उत्तर: कर्मधारय :- ~~दो पदों से~~ पूर्व पद प्रधान व उत्तर पद गौण ; उत्तर पद पूर्व की विशेषता बताता है।
उदा० नीलकमल, श्वेताम्बर आदि
बहुव्रीहि :- दोनो पद गौण, अन्य पद प्रधान उदा० नीलकण्ठ

2

प्रश्न [illegible] निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :
समय पर कार्य करना, कहीं [illegible] समय पर जाना इसे समय की [illegible]

प्रश्न (2.1) ~~As said . . . . . . & nothings.~~
संघ का यह . . . . सुनिश्चित करें।

उत्तर

This shall be the duty of union to increase the spread of Hindi language and to developed it.

2

पू.M = 04
प्राप्तांक

प्रश्न (2.2)

उत्तर :

So that it can become the medium of expression of culture of Indian society.

2

पू.M = 04
प्राप्तांक

प्रश्न (2.3)

उत्तर :

And without in altering its nature, include words, from Hindustani and languages which are mention in the Eighth schedule,

2

पू.M = 04
प्राप्तांक

प्रश्न (2.4)

उत्तर :

And where ever needed, shall accept and adopt the words from mainly 'Sanskrit' and subsequently from other languages.

ensure its richness.

पू.M = 04
प्राप्तांक

प्रश्न (2.5)

उत्तर :

Villages have their own ... but they are natural ...

प्रश्न (3.1) As laid - - - - - and nothings.

उत्तर : हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रस्तुत करने का, जैसा कि संविधान में उल्लेखित है, यादगार अवसर 26 जनवरी 1956 आया है।

M = 03

प्रश्न (3.2)

उत्तर : वस्तुनिष्ठत: यह भारतीय भाषाओं के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

(2)

M = 03

प्रश्न (3.3) जो कि आगामी भविष्य में राज्यों द्वारा हिन्दी का उपयोग सुनिश्चित करेगा।

उत्तर :

(2)

तो यह अब आवश्यक है कि एक

प्रश्न (3.4) सर्वभौमिक मानक शब्दावली बनायी जाये।

M = 03

उत्तर : जो कार्यालयी कार्यों में हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उपयोग में आयेगी।

(2)

प्रश्न (3.5)

M = 03

उत्तर :

(2)

सिका ... में आत्मसात करें।

प्रश्न 4 (अ) युवाशक्ति का आर्थिक क्षेत्र में ... योगदान रहा है। आर्थिक क्षेत्र में ... है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक ... सुदृढ़ अथवा कमजोर होने ... युवाशक्ति ... भारत एक विशाल देश है जहाँ 80% जनता गाँवों में निवास करती ... क्षेत्र पिछड़ा हुआ दृष्टिगोचर ... राष्ट्र को अन्न देने वाला किसान ... तथा देश की ... ही ... में जाकर समा जाती है। ... तथा गरीब और गरीब होता ... इस बिगड़ी हुई स्थिति ... युवाशक्ति ही चेतना ला सकती है।

अथवा

(ब) मानव जीवन में अभ्यास का ... होता है। निरंतर अभ्यास ... निपुणता तथा ... प्राप्त ... सकता है। अभ्यास के बल ... को भी सरल ... सकता ... अर्जुन, एकलव्य ... अभ्यास के ... निपुण ... अनेक प्रकार की ... महत्व ... संगीत, ... कलाएँ तो अभ्यास के बिना ... प्रसिद्ध खिलाड़ी ... चंद ... एकमात्र कारण उनका ...

उत्तर : ब

संक्षेपण

स्वतंत्रता एक सीमा में ही असल स्वतंत्रता है। किसी एक व्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं कि वह अन्य की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करे। जैसे काला धन अर्जित करना, लाउडस्पीकर से पड़ोसियों को बाधा पहुँचाना आदि। स्वतंत्रता के साथ दायित्व का भी संबंध है।

भाव पल्लवन

"स्वतंत्रता - - - - - - बदल जाती है।"

मूल तत्व :- स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है।

प्रश्न: 5. निर्देश
विकल्प का उत्त

स्वतंत्रता का उपयोग एक निश्चित सीमा में करना चाहिए। जो किसी अन्य की स्वतंत्रता को बाधित न करे। उदाहरण: यदि एक व्यक्ति कहे कि मुझे धन कमाने की आजादी है और बिना कर दिये धनसंचय करे तो यह शोसित वर्ग की स्वतंत्रता का अधीग्रहण है।

इसी प्रकार एक मानसिक रूप से विक्षेप व्यक्ति को गाड़ी चलाने की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती क्योंकि वह राहगीरों की के लिए उचित व उसके स्वयं के लिए उचित नहीं होगा।

स्वतंत्रता का न्यायोचित होना अनिवार्य है। जैसा कि अरस्तु ने अपनी पुस्तक निकोमाकियन इथिक्स में कहा था " न्याय से ही स्वतंत्रता आती है।"

प्रश्नः 5 (अ) स्वय को [illegible] कारी, [illegible] हुए एक कार्यालय आदेश [illegible] जिस लिपिकों को [illegible] लिखी [illegible] ले जाने की अनुमति [illegible]

अथवा

(ब) किसी सा[illegible] कार्यकर्ता [illegible] उत्तर में आदिवासी कल्याण [illegible] के लिए किए [illegible] शील [illegible] विवरण देते हुए अर्ध-शासकीय पत्र [illegible] प्रस्तुत

उत्तर:

कार्यालय जिलाधीश, रतलाम
म०प्र०.

क्रमांक:- 051/आ० के० /2020   रतलाम, दिनांक 03/06/2020

-: आदेश :-

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दिनांक 04/06/2020 से बाजार रात्रि 8 बजे तक खोल सकेंगे।

कोरोना दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

हस्ताक्षर
जिलाधीश, रतलाम
म०प्र०

पृष्ठांकन क्र. 052/आ.के. /2020   रतलाम, दिनांक 03/06/2020

प्रतिलिपि:

1. सचिव, मंत्रालय मुख्यमंत्री, भोपाल

हि निरंतर- - -

प्रश्नोत्तर ... QF | 1x15=15
... निर्देशानुसार ... लेखन ... अधिकतम शब्द ... | M=15
... विकल्प का ... स्पष्ट उल्लेख उत्तर ...

प्रश्न 5 Continued (जारी)

-॥2॥-

2. सचिव, राज्य शासन, वल्लभ भवन भोपाल
3. लेखाधिकारी, ग्वालियर
4. आयुक्त, इंदौर
5. समस्त कलेक्टर, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर
6. उपप्रबंधक जिला वेबसाइट
7. समस्त शासकीय कार्यालय
8. दैनिक भास्कर व अन्य समाचार पत्र

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

हस्ताक्षर
जिलाधीश,
रतलाम, म०प्र०

10

प्रश्नोत्तर पुस्तिका [illegible]

प्रश्न : निम्नलिखित [illegible] में से किन्हीं [illegible] हिन्दी/अंग्रेजी शब्दों के [illegible]
[illegible] अंकों का है।

5×3=15

S.no	प्रश्न	
1	~~लेखा~~ दूतावास :	Ambessy. (3)
2	परिप मताधिकार :	Suffrage.
3	प्रतिलि राज-पत्र	Gazette (3)
4	अनु न्यायिक अधिकार :	legal right. (0) Ju
5	अनु अनुमोदन :	?
6	Quately :	त्रिमासिक (3)
7		
8		
9		
10		

अपना उल्लू सीधा करना

अर्थ:- अपना कार्य सिद्ध करना

वाक्य:- चुनाव के समय नेता अपना उल्लू सीधा करने, जनता से झूठे वादे करते हैं।

४ तोते उड़ जाना

अर्थ:- अत्यधिक घबरा जाना

वाक्य:- चिड़ियाघर में शेर को अपने सामने देख बच्चे के तोते उड़ गये।

गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास

अर्थ:- कार्य का कोई परिणाम न निकलना

वाक्य:- बाढ़ पीड़ितों को जन सभा में सभी नेता ने सहायता की बात कही पर कुछ दिया नहीं, एक बुजुर्ग ने कहा गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास

उत्तर ~~[illegible]~~ अंधों में काना राजा

अर्थ :- अयोग्य व्यक्तियों में तनिक योग्य व्यक्ति।

वाक्य :- पाकिस्तान में राष्ट्राध्यक्ष बनना आसान है क्योंकि वहाँ तो अंधों में काना राजा होता है।

प्रश्न (7.7) ~~जल में [illegible]~~ हाथ आगे बढ़ाना

उत्तर अर्थ :- मदद करना

वाक्य : कोरोना के समय में भारत कई राष्ट्रों के सहायता हेतु हाथ आगे बढ़ाया, जिसकी ~~चहु~~ ओर ~~प्रस~~ प्रशंसा हुई।

प्रश्न (7.8) डूबते को [illegible]

उत्तर :

प्रश्न (7.9) थोथा [illegible]

उत्तर :

प्रश्न (7.10) मुँह में राम [illegible]

उत्तर :

S.No	प्रश्न	उत्तर
1		
2	ii) विनायक	विसर्ग संधि वि: + नायक
3	औ घर - संसार	द्वंद समास
4	iv) प्रति + उपकार	प्रत्योपकार
5	शुष्क	आर्द्र
6	शुक	
7	कर्ण व करण	कर्ण अर्थात् कान करण अर्थात् कारक का प्रकार
8		
9		

(1) (1) संधियुक्त (3) (3) (3)

उत्तर (i) — "पुस्तकालय और सभ्यता"

उत्तर (ii) — पुस्तकालय सभ्यता के विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

1

उत्तर (iii) — मुद्रणकला के आविष्कार से पहले पुस्तकों संग्रह अत्यंत कठिन इसलिए था क्योंकि पुस्तकों के निर्माण में ही अत्यधिक संपत्ति लग जाती थी। वस्तुतः यह खर्चीली व्यवस्था थी।

1

उत्तर (iv) — पुस्तकालयों के कारण कई देशों जैसे चीन, फारस आदि के विद्यानुरागी भारत पढ़ने आया करते थे। भारत का पुस्तक संग्रह विश्वविख्यात था।

2

उत्तर (v) — भारत में पुस्तकों का संग्रह लिपि के आविष्कार से ही होता रहा है।

2

ब. देश में हुए किसी विश्वस्तरीय सम्मेलन पर प्रतिवेदन लिखिए

प्रतिवेदन

12 वां ब्रिक्स सम्मेलन 22 सितम्बर 2020 से 28 सितम्बर 2020 तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन इस वर्ष अप्रैल में प्रस्तावित था परन्तु कोरोना के दुष्प्रभाव के कारण इसे, तय दिनांक पर आयोजित नहीं कराया जा सकता। पाँचों राष्ट्र की संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के चलते, सम्मेलन संचार माध्यम से आयोजित कराया गया। जो अभूतपूर्व अनुभव रहा।

सम्मेलन की अध्यक्षता रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमिर पुतिन ने की। भारत का प्रतिनिधित्व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। दक्षिण अफ्रीका, चीन, और ब्राजील के भी राष्ट्राध्यक्ष प्रमुख अध्यक्ष सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल कर रहे।

...(10) Continued ...

भारत - चीन सीमा पर हुए सैन्य विवाद के बाद यह प्रथम अवसर था जब दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष एक मंच पर थे। श्री नरेन्द्र मोदी ने चीन पर बिना नाम लेते हुए उसकी विस्तारवादी नीति की खरी-खरी आलोचना करी तथा भारत की तटस्थता व संप्रभुता को बताया।

यह सम्मेलन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित हुआ इस वजह से इसका सीधा प्रसारण हो पाया। इसे 22 देशों में 20 लाख लोगों ने देखा।

सम्मेलन के प्रमुख बिन्दु:

1. कोरोना के कारण हुई अर्थव्यवस्था की हानि को पुन: सुचारु करने हेतु समन्वय बनाना।
2. दवाइयों का उपलब्धता सुनिश्चित करना।
3. आतंकवाद पर एक नीति बनाने पर मिलकर काम करना।

सम्मेलन का प्रमुख केन्द्र कोरोना महामारी रहा। अन्य विषयों पर सीमित वार्ता ही हो सकी। अगला सम्मेलन ब्राजील मे प्रस्तावित है।

2